एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनूं (राजस्थान)

रविवार, दिनांक 07 सितम्बर, 2014 (दूसरा दिन) छठी गतिविधि

सौर ऊर्जा चलित लालटेन रोजगार बना सुनहरा अवसर

किसानः धुड़ाराम **गाँवः चैनगढ़**

मोरारका फाउण्डेशन द्वारा सौर ऊर्जा चलित लालटेन रोजगार के माध्यम से गरीब व विकलांग लोगों के लिए न केवल रोजगार का साधन है बल्कि गरीबों को अपने घरो में रोशनी करने की योजना भी लाया। शेखावाटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जरूरतमंद व्यक्तियों को घर बैठे रोजगार देकर उनका जीवन सफल व आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति में बढोत्तरी एवं रोजगार बढ़ाने में भी सहयोग किया और लोगो की रूचि को देखते हुए फाउण्डेशन ने इस कार्य को अधिकतम जरूरतमंदो को सौर ऊर्जा के रोजगार से जोड़ने का निश्चय किया तथा साथ ही साथ सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता लाने का प्रचार– प्रसार भी किया।

इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष गांव – चैनगढ़ में मोरारका फाउण्डेशन ने विकलांग 'श्री धुड़ाराम' जो गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा था, का चयन सौर ऊर्जा पैनल व अन्य संसाधन लगाने एवं 25 सौर ऊर्जा से चलित लालटेन प्रदान करने के लिये किया। इसके प्रचार हेतु हम केन्द्र पर पूरी सूचनाएं लिखवा रहे है तथा पम्फलेट भी छपवा कर दे रहे है जिन्हे वो आस–पास के गांवो में बाँट कर अपने व्यवसाय का प्रचार–प्रसार कर सकेगा तथा 'धुड़ाराम' को इसके उपयोग एवं इनसे आय अर्जित करने के तरीकों के बारे में भी समझाया गया है। सौर ऊर्जा के इस्तेमाल द्वारा रोजगार भी इसी श्रृंखला की एक अन्य कड़ी के रूप में हमने लागू किया।

लाभान्वित **'धुड़ाराम'** का तो कहना है कि मोरारका फाउण्डेशन ने मुझे ना केवल रोजगार बल्कि मेरे अन्धकारमय जीवन को एक सुनहरा अवसर भी प्रदान किया और अब मैं इस रोजगार के साथ – साथ सौर ऊर्जा के उपयोग के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाकर क्षेत्र के लोगो को इसके प्रति जागरूक करूंगा और लगन से कार्य कर आय अर्जित करूगां।

कार्यक्रम समन्वयक
मोरारका फाउण्डेशन